

# Revision work

Class - IV

वर्ण तथा शब्द-विचार

(1st part)

\* ध्वनी

\* वर्ण

\* वर्णमाला

1. जब हम बोलते हैं तब हम उनको "ध्वनियाँ" को प्रयोग करते हैं।

2. ध्वनी को मौखिक एवं लिखित रूप वर्ण कहलाता है।

अर्थात् हम कह सकते हैं कि ध्वनी की संख्या फोटी इकाई वर्ण है।

3. वर्णों के समूह को वर्णमाला कहते हैं।

वर्ण के दो प्रकार

स्वरवर्ण

अक्षरवर्ण

स्वरवर्ण → जिन ध्वनियों को बोलने से कोई अक्षर नहीं होता, उन्हें स्वरवर्ण कहते हैं।

उदाहरण - अ, आ, इ, ई . . . .

1.

व्यंजन वर्ण → जिन ध्वनियों को व्यंजन के लिए स्वर की आवश्यकता होती है, उन्हें व्यंजन वर्ण कहते हैं।

उदाहरण - क, ख, ग, घ - - - - ।

अन्य ध्वनियाँ :

1. अनुस्वार (ँ)
2. अनुनासिक (ं)
3. अधाबन्धु ( )
4. विसर्ग (ः)
5. इलत (्)
6. संयुक्त व्यंजन → झ, ञ, ज्ञ, श्र ।

1. अनुस्वार - अनुस्वार को एक बिन्दु के रूप में लिखा जाता है।  
उदाहरण - जंगल, बांग्ला, झंडा आदि।

2. अनुनासिक - अनुनासिक को चन्द्रबिन्दु के रूप में लिखा जाता है।  
उदाहरण - माँ, आय, उंगली आदि।

3. अधाबन्धु - " " इस चिह्न के द्वारा अधाबन्धु को लिखा जाता है।  
अधाबन्धु का हम मुख्यतः अंग्रेजी शब्दों के लिए ही प्रयोग करते हैं।  
उदाहरण - आफिस, कॉलेज, डॉक्टर आदि।

## वर्ण तथा शब्द-विचार

(2nd part)

4. विसर्ग (:) → स्वर के बाह लगाने वाले बिंदु (:) विसर्ग होते हैं। इनका उच्चारण ह् के समान होता है।  
उदाहरण - फलतः, मातः, कुःश्च, पुनः, अतः आदि।

5. दलन्त ( ~ ) → स्वर रहित व्यंजन का प्रयोग करते समय उसके नीचे एक तिरकी रेखा ( ~ ) लगा दी जाती है। इसे दलन्त चिह्न ( ~ ) कहते हैं।  
उदाहरण - मिट्ठी, खट्वा, लट्ठा आदि।

6. संयुक्त व्यंजन → ( क्, त्र, क्ष, श्र )  
हो व्यंजन के जुड़कर बने व्यंजनों को ही संयुक्त व्यंजन कहा जाता है।

उदाहरण

क् + ष = क्श

कक्षा, वृक्ष

त् + र = त्र

पत्र, मित्र

ज् + ञ = ज्ञ

ज्ञान, यज्ञ

श् + च = श्च

आश्रय, श्रम